Code—25

हिन्दी और हिन्दी निबन्ध

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 150

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **(15)**

We cannot conceive two men born with the same physical, mental, and moral nature, at the same moment, under precisely the same conditions, and using the same language. They would be identical; and everything they uttered would be clothed with exactly the same words. The absurdity of this conception brings home to us the second aspect of style. Style is not merely a sign of those national qualities which are generic to established languages, and which constitute the so-called genius of a race. It is

P.T.O.

also the sign of personal qualities, specific to individuals, which constitute the genius of a man. Whatever a man utters from his heart and head is the index of his character.

2. सरकारी पत्र-लेखन के महत्त्वपूर्ण अंगों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । **(10)**

अथवा

परिपत्र भेजते समय किन प्रमुख तथ्यों को ध्यान में रखना आवश्यक है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

3. निम्नलिखित अवतरण का सार **एक-तिहाई** शब्दों में लिखिए : **(10)**

आज के समृद्ध समाजों में हम एक भयंकर त्रासदी देख रहे हैं । हमें जिस वस्तु की जरूरत नहीं है, ऐसी जरूरत नहीं है कि उसके बिना काम न चले, उसे पाने के लिए, कर्ज लेकर उसे खरीदने के लिए, लाचार हैं । कुछ तो इस कारण कि पैदा करने वाला तन्त्र विज्ञापनों के माध्यम से इतना छा जाता है कि हमें खरीदे बिना शान्ति नहीं मिलती और फिर दूसरी वस्तु, अधिक चमकदार, अधिक नयी बाजार में आ जाती है और कुछ इस कारण कि हम खुद बाजारू

वस्तु हो गये हैं । हम अपने को भी निरन्तर दूसरे की, ऐसे दूसरे की जो हमसे ज्यादा सम्पन्न है, इच्छा के अनुरूप ढालते रहते हैं । हम एक खरीदार की इच्छा के अनुसार बदलने को ही प्रगति मानते हैं । जहाँ समृद्धि नहीं है, जहाँ सबकी न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति समान रूप से की जा रही है उन देशों में भी उपभोक्ता-सभ्यता उसी तरह हावी है । कैसे हम ऐसी चीज बटोर कर रख लें जो दूसरे के पास नहीं है । यह रखने का भाव, बिना आवश्यकता के रखने का भाव मनुष्य की वास्तविक अशान्ति का कारण बन रहा है । आज यह अशान्ति एक सम्भ्रान्तता, एक आधुनिक संस्कारिकता का लक्षण बनती जा रही है । आप जितना अधिक अशान्त हैं, जितने अधिक बेगाने हैं, जितने अधिक जीवन की अर्थहीनता के अनुभव से अभिभूत हैं, आप उतने ही अधिक आधुनिक अर्थ में संस्कृत हैं, संस्कृति-सम्पन्न हैं ।

4. सरल हिन्दी में व्याख्या कीजिए :

(अ) श्रीगुरु चरन सरोज रज निज मन मुकुर सुधारि ।
बरनऊँ रघुबर बिमल जसु दो दायक फल चारि ।।
सबके उर अभिलाषु अस, कहहि मनाइ महेसु ।
आप अछत जुवराज पद, रामहिं देउ नरेसु ।।

(5)

अथवा

हे अभाव की चपल बालिके
  री ललाट की खल लेखा ।
हरी भरी सी दौड़धूप ओ
  जल माया की चल रेखा ।
इस ग्रह कक्षा की हलचल री
  तरल गरल की लघु लहरी ।
जरा अमर जीवन की, और न
  कुछ सुनने वाली बहरी ।।

(ब) श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है । जब पूज्यभाव की वृद्धि के साथ श्रद्धाभाजन के सामीप्य-लाभ की प्रवृत्ति हो, उसकी सत्ता के कई रूपों के साक्षात्कार की वासना हो, तब हृदय में भक्ति का प्रादुर्भाव समझना चाहिए । (5)

अथवा

दण्ड कोप का ही एक विधान है । राजदण्ड राजकोप है जहाँ कोप लोककोप और लोककोप धर्मकोप है । जहाँ राजकोप धर्मकोप से एकदम भिन्न दिखाई पड़े वहाँ उसे राजकोप न समझकर कुछ विशेष मनुष्यों का कोप समझना चाहिए। ऐसा कोप राजकोप के महत्त्व और पवित्रता का अधिकारी नहीं हो सकता । उसका सम्मान जनता अपने लिए आवश्यक नहीं समझ सकती ।

46

5. निम्नलिखित कहावतों/मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए : (5)

(i) टका सा मुँह लेकर जाना ।

(ii) पढ़े फारसी बेचे तेल ।

(iii) धूप में बाल सफेद करना ।

(iv) नाक का बाल होना ।

(v) जीती मक्खी निगल जाना ।

6. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए : (5)

(i) सतोगुण

(ii) श्राप

(iii) लब्धप्रतिष्ठित

(iv) उपरोक्त

(v) सोहार्द्र

(vi) द्वारिका

(vii) कालीदास

(viii) प्रज्ज्वलित

(ix) सूचिपत्र

(x) प्रफुल्लित ।

7. निम्नलिखित युग्मों में दिये हुए शब्दों का अपने बनाये वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि दोनों का पारस्परिक अन्तर यथासम्भव स्पष्ट हो जाये : **(5)**

(i) जलज : जलद

(ii) संगठन : समुदाय

(iii) नीर : नीड़

(iv) कुल : कूल

(v) तरणि : तरुणी ।

8. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक (विलोम) शब्द लिखिए : **(5)**

(i) वक्र

(ii) अनुरक्ति

(iii) उन्नति

(iv) अतिवृष्टि

(v) उत्तरायण

(vi) अनुलोम

(vii) विवाद

(viii) सकाम

(ix) श्लील

(x) सापेक्ष ।

9. (अ) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए **एक-एक** शब्द लिखिए : (2½)

(i) इन्द्रियों को जीतने वाला ।

(ii) जो जन्म से अन्धा हो ।

(iii) जो मोक्ष चाहता हो ।

(iv) द्रुपद की पुत्री ।

(v) जिसमें ममता न हो ।

(ब) सन्धि एवं समास में सोदाहरण अन्तर स्पष्ट कीजिए । (2½)

10. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर हिन्दी में निबन्ध लिखिए : (30)

(i) भारतीय प्रजातन्त्र : शक्ति और सीमा

(ii) वर्तमान शिक्षा-व्यवस्था में सुधार

(iii) धर्म-निरपेक्ष भारत में धर्म का स्थान

(iv) राजनीति में नारी की भूमिका

(v) विज्ञान एवं मानव-मूल्य ।